2500 करोड़ की लागत से बनेगा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे सोलर पार्क

अमर उजाला ब्यूरो

1700 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा यूपी का सबसे लंबा सोलर पार्क

लखनऊ। दशकों तक उपेक्षा का दंश झेलने वाले बुंदेलखंड में सुनियोजित और सतत विकास की शुरुआत हो चुकी है। एक तरफ 36 हजार एकड़ भू-क्षेत्र में नया औद्योगिक शहर बसाने के लिए कवायद जारी है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के सबसे लंबे सोलर पार्क को भी बुंदेलखंड से होकर गुजरने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के दोनों किनारों पर विकसित किया जाना है।

करीब 1700 हेक्टेयर में बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के किनारे इस सोलर पार्क को 2500 करोड़ से विकसित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) की देखरेख में इसे बीओओ यानी बिल्ड, ओन एंड ऑपरेट मॉडल पर विकसित किया जाएगा। इस सोलर पार्क से 450 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन किया जाएगा। इससे एक लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं की जरूरतें पूरी होंगी।

रिपोर्ट के अनुसार यूपीडा की ओर से इस सोलर पार्क के लिए 1700 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध है। ये भूमि इटावा से चित्रकूट तक 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के मुख्य कैरिज वे और सर्विस रोड के बीच की है। मुख्य कैरिज वे और सर्विस रोड के बीच उपलब्ध भूमि की औसत चौड़ाई 15-20 मीटर है।

25 हजार से अधिक पौधे लगाने के निर्देश

इटावा से चित्रकूट तक लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर बांदा और जालौन में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भी विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा एक्सप्रेस-वे के किनारे 25 हजार से अधिक पौधे लगाने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए हैं।

ल समेत सभी क्षेत्र में युवाओं को मिला रोजगार